REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
LIVE
05-02-2025 11:00 AM

❖ **परिभाषा** – वह शब्द जो कम से कम शब्दों के प्रयोग से अधिक से अधिक शब्द – समूह को अभिव्यक्त करते है, उन्हें अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते है।

1.	ऋण देने वाला व्यक्ति	उत्तमर्ण
2.	निरन्तर ऊँचे उठने की इच्छा	उदीषा
3.	सांसारिक वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा	एषणा
4.	बर्तन बेचने वाला	कसेरा
5.	किसी विचार को कार्य रूप में बदलना	कार्यान्वयन
6.	वृक्ष, लता, फूलों से घिरा हुआ कोई सुरम्य स्थान	कुंज

गर्दन

7.	जिसकी ग्रीवा शंख की तरह हो	कात्बुग्रीवा
8.	जो पाप-पुण्य हर्ष-विषाद से मुक्त शुद्ध स्वभाव वाला हो	केवलात्मा
9.	पूर्वजन्म से किए हुए कर्मों का फल	कर्मविपाक
10.	जो दुःख या भय से पीड़ित हो	कातर
11.	केवल पेट भरने वाला	कुक्षिभर

12.	अपना सम्मान बचाने के लिए किया गया अग्नि-प्रवेश	जौहर
13.	संकुचित विचार रखने वाला	दकियानूस
14.	वह स्त्री जो पति के स्नेह से वंचित हो	दुर्भगा
15.	पुत्री का पुत्र	दौहित्र

16.	पुत्री की पुत्री	दौहित्री
17.	आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लेने वाला	नैष्ठिक
18.	जिसका सिर झुका हुआ हो	नतमस्तक
19.	सांसारिक विषय वासनाओं से रहित	निस्संग/असंग
20.	जिस स्त्री के पुत्र न पैदा होता हो	निपूत
21.	नाटक का परदा गिरना	पटाक्षेप/यवनिका पतन

22.	पति को चुनने की इच्छा वाली कन्या	पतिम्बरा
23.	मनुष्य के पुरूषार्थ द्वारा रचा गया	पौरूषेय
24.	घूमने-फिरने वाला साधु	परिव्राजक
25.	जो काया (शरीर) से हृष्टपुष्ट हो	पेशल
26.	एक बार की हुई बात को दुहराते रहना	पिष्टपेषण
27.	जो पहनने के योग्य हो या जो पहना जा सके	परिधेय

28.	पति के परदेश जाने के बाद दुखी होना	प्रोषितपतिका
29.	हास्य रस से परिपूर्ण नाटिका	प्रहसन
30.	बिना हल जोते उगने वाली फसल	अकृष्टपच्या
31.	वह भूमि जो पहले न जोती गई हो	अकृष्टपूर्वा
32.	जो हिसाब किताब की जाँच करता हो	अंकेक्षक
33.	जो सबके मन की बात जानता हो	अंतर्यामी

34.	अत्यंत सूक्ष्म या छोटा होने की शक्ति प्राप्त होना	अणिमा
35.	सीमा का अनुचित उल्लंघन	अतिक्रमण
36.	पृथ्वी का वह भाग जो दूर तक समुद्र में चला गया हो	अंतरीप
37.	जैनियों का सूर्यास्त से पहले होने वाला भोजन	अथऊ
38.	पश्चिम दिशा जहाँ सूर्य अस्त होता है	अथमना
39.	आदेश जो एक निश्चित अवधि तक ही लागू हो	अध्यादेश
40.	पहाड़ के ऊपर की (समतल) जमीन (टेबिल लैंड)	अधित्यका

41.	वह जिसने किसी से ऋण लिया हो	अधमर्ण
42.	पहले लिखे गए पत्र का स्मरण करते हुए लिखा गया पत्र	अनुस्मारक
43.	बरसात बिल्कुल न होना	अनावृष्टि
44.	किसी प्रस्ताव का समर्थन करने की क्रिया	अनुमोदन
45.	बिना देखरेख का जानवर	अनेर
46.	अविवाहित महिला	अनूढ़ा
47.	वह यंत्र जो छोटी चीज को बड़ा दिखाता है	अणुवीक्षण

48.	जिसकी कीमत कम हो	अनर्घ्य
49.	जो वश में न हुआ हो	अनायत
50.	जो भोजन रोगी के लिए निषिद्ध है	अपथ्य
51.	ऐसी प्रशंसा जिससे निंदा का भाव निकले	अपस्तुति
52.	नीचे की ओर लाना या खींचना	अपकर्ष
53.	जिसके अन्दर प्रशंसा करने की योग्यता न हो	अप्रशस्त

54.	जिसे अधिक वकवास करना न आता हो	अप्रगल्भ
55.	जिस वस्त्र को पहना न गया हो	अप्रहत
56.	जिस स्त्री के पुत्र और पति न हों	अवीरा
57.	जिसको प्राप्त न किया जा सके	अलभ्य
58.	अहंकारपूर्वक अपने को सबसे बढ़कर समझना	अहमन्यता
59.	जिसे जाना न जा सके	अज्ञेय

60.	जिसमें किसी का कोई हेतु या कारण न हो	अहैतुक
61.	यज्ञ कर्ता तथा यजुर्वेद के मंत्रों का पाठ करने वाला	अध्वर्यु
62.	थोड़ा नापा-तुला भोजन करने वाला	मिताहारी
63.	कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की ऊँगुली	अनामिका
64.	पीछे-पीछे चलने वाला	अनुगामी
65.	गुरू के समीप रह कर शिक्षा ग्रहण करने	अन्तेवासी

	वाला	
66.	जो हमेंशा रहने वाला है	शाश्वत
67.	जिसका इलाज न हो सके	असाध्य
68.	आधी रात का समय	निशीथ
69.	खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपभोग के लिए हो	पाथेय
70.	जो स्त्री सूर्य भी न देख सके	असूर्यपश्या

71.	तैरने की इच्छा	तितीर्षा
72.	उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति	रिक्थ
73.	जानने की इच्छा रखने वाला	जिज्ञासु
74.	व्याकरण का ज्ञाता	वैयाकरण
75.	पेट की अग्नि	जठराग्नि
76.	ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो	आशुकवि

दावाग्नि
वड़वाग्नि

77.	जो वाणी द्वारा व्यक्त न किया जा सके	अनिर्वचनीय
78.	एक बार कही बात को दुहराते रहना	पिष्टपेषण
79.	जीवों द्वारा होने वाला दुःख	आधिदैहिक
80.	जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो	अप्रत्याशित
81.	इन्द्रियों को जीतने वाला	जितेन्द्रिय
82.	जो एक स्थान पर टिककर नही रहता	यायावर

83.	दो पहाड़ों के बीच खाली स्थान	घाटी
84.	जो पसीने से उत्पन्न हो	स्वेदज
85.	किये गये उपकार का फल न मानने वाला	कृतघ्न
86.	अनेक युगों से चले आने वाले	सनातन
87.	जिस पेड़ के पत्ते झड़ गये हो	अपत
88.	तिलक लगाने के लिए जिस अन्न का प्रयोग हो	अक्षत

89.	पश्चिम और उत्तर दिशाओं के मध्यस्थ कोण	वायव्य
90.	पर्वत की निचली समतल भूमि	उपत्यका
91.	पहाड़ के ऊपर की समतल जमीन	अधित्यका
92.	दक्षिण और पूर्व के बीच की दिशा	आग्नेय
93.	पूरब और उत्तर के बीच की दिशा	ईशान
94.	दक्षिण और पश्चिम के बीच की दिशा	नैऋत्य

95.	किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा	अभीप्सा
96.	जिन्दा रहने की इच्छा	जिजीविषा
97.	जानने की इच्छा	जिज्ञासा
98.	जो अत्यधिक भूखा हो	बुभुक्षित
99.	खाने का इच्छुक	बुभुक्षु
100.	खाने की इच्छा	बुभुक्षा

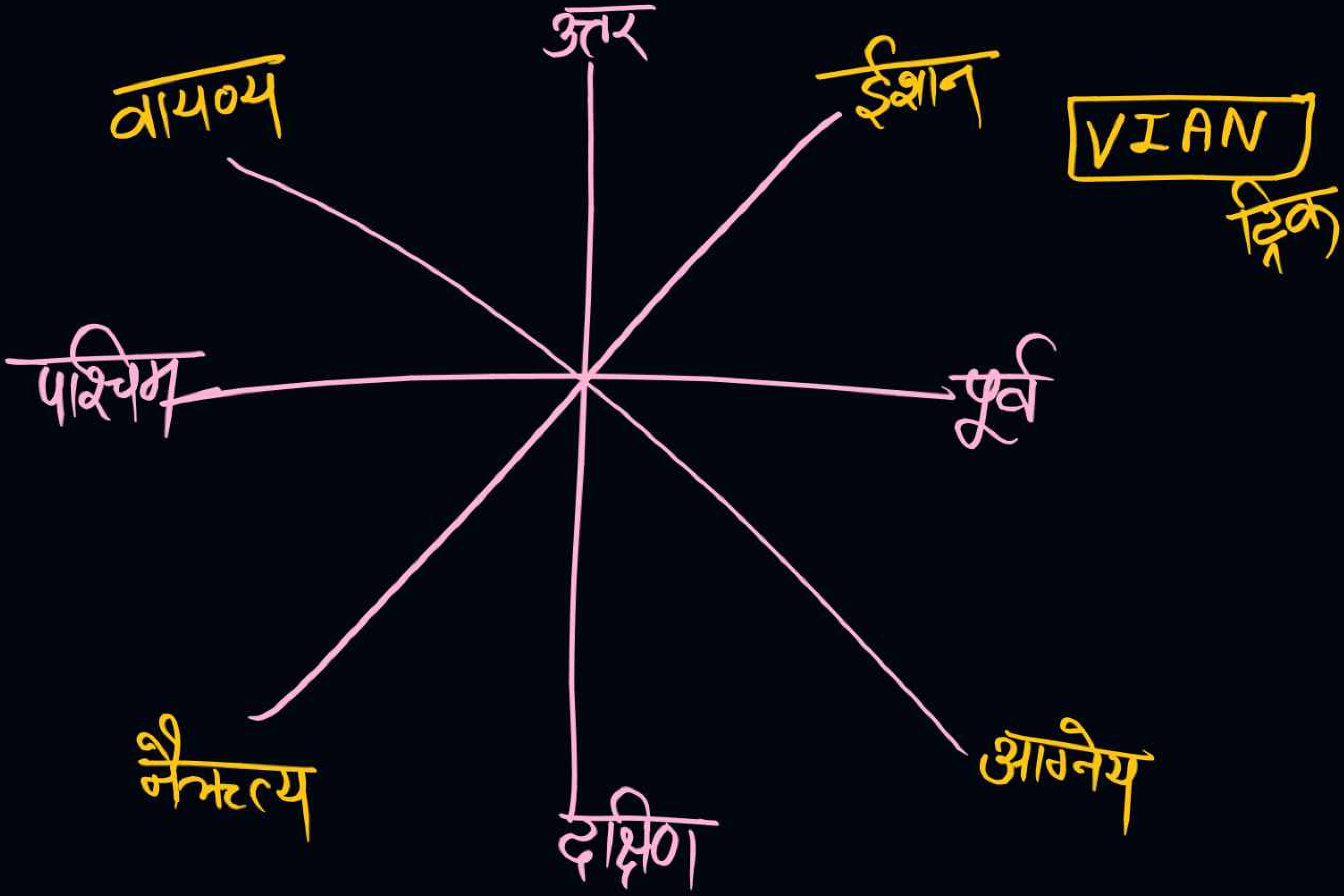
उत्तर
वायव्य
ईशान
VIAN
त्रिक
पश्चिम
पूर्व
नैऋत्य
दक्षिण
आग्नेय

101.	मरने की इच्छा	मुमुर्षा
102.	मरने को इच्छुक	मुमूर्षु
103.	युद्ध की इच्छा रखने वाला	युयुत्सु
104.	युद्ध करने की इच्छा	युयुत्सा
105.	किसी संस्था या व्यक्ति के पचास वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में होने वाला उत्सव	स्वर्ण जयंती
106.	मोक्ष की इच्छा रखने वाला	मुमुक्षु

107.	जीतने, दमन करने की इच्छा	जिगीषा
108.	जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है	विपत्नीक
109.	रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान	नेपथ्य
110.	तारों भरी रात (m)	विभावरी
111.	चाँदनी रात	शर्वरी
112.	एक ही माँ से पैदा भाई	सहोदर

113.	जो अपने कर्त्तव्य का निश्चय न कर सके	किंकर्त्तव्यविमूढ़
114.	जिसका मन व ध्यान दूसरी तरफ हो	अन्यमनस्क
115.	जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो	कुलीन
116.	मदिरा पीने का प्याला	चषक
117.	जो इन्द्र पर विजय प्राप्त कर चुका हो।	इन्द्रजीत
118.	किसी कार्य में दूसरे के आगे बढ़ने की इच्छा	प्रतिस्पर्धा

119.	बड़ा बनने की इच्छा रखने वाला	महत्त्वाकांक्षी
120.	एक हाथ से दूसरे हाथ में देना	हस्तान्तरण
121.	पुरुष एवं स्त्री का जोड़ा	दम्पत्ति
122.	पत्र या प्रश्नादि के उत्तर की अपेक्षा करने वाला	उत्तरापेक्षी
123.	किसी विषय की पूरी छान-बीन करना	विवेचन
124.	आयु में बड़ा व्यक्ति	ज्येष्ठ

125.	मछली के समान आँखों वाली	मीनाक्षी
126.	आय-व्यय के आँकड़ों की जाँच करने वाला	अंकेक्षक
127.	जो व्यर्थ की बातें करता हो	वाचाल
128.	बचपन और जवानी के बीच की अवस्था	वय: सन्धि
129.	वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री	वीरप्रसू
130.	कष्ट से सम्पन्न होने वाला	कष्टसाध्य

131.	जिसे कठिनाई से जीता जा सके	दुर्जेय
132.	वह भाई जो अन्य माता से उत्पन्न हुआ हो	अन्योदर
133.	जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	आस्तिक
134.	गोद में सोने वाली स्त्री	अंकशायिनी
135.	जो कम खर्च करता हो	मितव्ययी
136.	जिसे प्रमाण द्वारा सिद्ध न किया जा सके	अप्रमेय

137.	पृथ्वी के तीन ओर पानी वाला स्थान	प्रायद्वीप
138.	जिसके पास कुछ न हो	अंकिचन
139.	गोद लिया हुआ	दत्तक
140.	आदि से अंत तक	आद्योपान्त
141.	वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो	प्रोषितपतिका
142.	जिसका शत्रु पैदा न हुआ हो	अजातशत्रु

143.	बिना पलक झपकाए	निर्निमेष
144.	जो फूल आधा खिला हो	मुकुल
145.	जो युद्ध में स्थिर रहता है	युधिष्ठिर
146.	जिसकी बाँह घुटने तक हो	आजानुबाहु
147.	बहुत दिनों तक रहने वाला	चिरस्थायी
148.	जो बांये हाथ से काम करता हो	सव्यसाची / डेबरा

149.	अपने ही पति की अनुरागिनी स्त्री	स्वकीया
150.	भूख से आकुल	क्षुधातुर
151.	गहरी नींद में सोया हुआ	सुषुप्त
152.	हाथ से शीघ्र काम करने वाला	क्षिप्रहस्त
153.	भौहों के बीच का ऊपरी भाग	त्रिकुटी
154.	क्षण भर में नष्ट होने वाला	क्षणभंगुर